गुरू शरण में रेहणा रे चेला भाई कबीर भजन लिरिक्स

गुरू शरण में रेहणा रे चेला भाई,
थाने नवी नवी वस्तु मिलेगा रे,
नीत नवी वस्तु मिलेगा रे चैला भाई,
थारा जीव ने तो मुक्ती मिलेगा रे,
गुरू शरण में रेहणा रे चैला भाई।bd।

दे रणकार थारी नाभी से उठेगा,
तो वो दें दें डंका चडेगा रे,
नाभी पंथ थारा गणा दुरेला,
सब रंग पकड़ फिरेगा रे,
गुरू शरण में रेहणा रे चैला भाई।bd।

नाभी पंथ थारा उल्टा गुमेगा तो,
जब मेहरू दण्ड खुलेगा रे,
मेहरू दण्ड थारा पिछ्म का मारग,
वो सीधी बात करेगा रे,
गुरू शरण में रेहणा रे चैला भाई।bd।

बिना डंका री थारे जालर वाजे,
थाने झीणी झीणी खबर पड़ेगा रे,
घड़ियां रे शंख थारे बांसुरी वीणा,
एक अनहद राग सुनेगा रे,
गुरू शरण में रेहणा रे चैला भाई।bd।

दिन नहीं रेण दिवस नहीं रजणी,
नहीं वठे सुरज तपैला रे,
बिना बादल कि वर्षा वो वर्षे,
एक अमृत बुदं पिवेगा रे,
गुरू शरण में रेहणा रे चैला भाई।bd।

बिना बस्ती का देश अजब है,
नहीं वठे काल पड़ेगा रे,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

कहे कबीर सुनो भाई साधो,
थारा शीतल अंग करेला रे,
गुरू शरण में रेहणा रे चैला भाई।bd।

गुरू शरण में रेहणा रे चेला भाई,
थाने नवी नवी वस्तु मिलेगा रे,
नीत नवी वस्तु मिलेगा रे चैला भाई,
थारा जीव ने तो मुक्ती मिलेगा रे,
गुरू शरण में रेहणा रे चैला भाई।bd।

प्रेषक – जगदीश चन्द्र जटिया।
विशनपुरा मावली उदयपुर राजस्थान।
मो. 9950647154

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com